दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३२६ वा | शुक्रवार २७ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बीड: उमाकिरण के दो शिक्षकों पर POCSO के तहत मामला दर्ज, शिक्षा क्षेत्र में हड़कंप

गुरु-शिष्य के रिश्ते को किया कलंकित

बीड, २६ जून (प्रतिनिधि)

शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित माने जाने वाले उमाकिरण संस्थान के दो शिक्षकों पर शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में POCSO (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस गंभीर घटना से जिले के शैक्षणिक क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्ते को गहरा धक्का लगा है।

उमाकिरण को बीड़ जिले में छात्रों के लिए एकमात्र कोचिंग सेंटर के रूप में ख्याति प्राप्त थी, जहाँ एक ही छत के नीचे सभी विषयों की शिक्षा दी जाती थी। लेकिन हाल ही में, एक

नाबालिग छात्रा के साथ कथित अत्याचार के मामले में शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन दो शिक्षकों पर मामला दर्ज हुआ है उनके नाम विजय पवार और प्रशांत खटावकर हैं। जैसे ही यह मामला सामने आया, पूरे शैक्षणिक समुदाय और समाज में आक्रोश और चिंता की लहर दौड़ गई है।

यह घटना न केवल एक छात्रा की गरिमा और सुरक्षा पर हमला है, बल्कि यह हमारे समाज में शिक्षा से जुड़े आदर्श मूल्यों को भी झकझोर देने वाली है। ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई आवश्यक है ताकि शिक्षण संस्थानों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और गुरु-शिष्य का रिश्ता फिर से भरोसेमंद बन सके। समाज, प्रशासन और शिक्षा संस्थानों को मिलकर एक सुरक्षित और नैतिक शिक्षा वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा।

अल्पसंख्यक युवाओं के लिए पुलिस कांस्टेबल भर्ती पूर्व प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित, शेख मुसा

बीड़, २७ जून २०२५

महाराष्ट्र शासन के अल्पसंख्यक विकास विभाग, मंत्रालय मुंबई की मंजूरी के अनुसार वर्ष २०२५-२६ के लिए अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, बौद्ध, सिख, ईसाई, यहूदी, जैन, पारसी व ख्रिश्चन) के युवक-युवतियों को पुलिस शिपाई (कांस्टेबल) भर्ती पूर्व प्रशिक्षण देने हेतु बीड़ जिले की आज़ाद हिंद संस्था, कामखेड़ा का चयन किया गया है।

बीड़ जिले के मुस्लिम, बौद्ध, सिख, ईसाई, यहूदी, जैन, पारसी व ख्रिश्चन समुदाय के युवक-युवतियां २८ जून २०२५ से ०७ जुलाई २०२५ तक अपने आवेदन पत्र आज़ाद हिंद सेमी इंग्लिश उर्दू स्कूल, काज़ी नगर, जालना रोड, बीड़ में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जमा कर सकते हैं।

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा ९ जुलाई २०२५ को आयोजित की जाएगी, जिसमें जिला अल्पसंख्यक अधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी तथा संस्था के प्रमुख आज़ाद हिंद स्कूल में उपस्थित रहेंगे।

पात्रता व लाभ की शर्तें इस प्रकार हैं:

उम्मीदवार बारहवीं पास होना अनिवार्य है, उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

वार्षिक पारिवारिक आय ८ लाख रुपये से कम होनी चाहिए।

महिलाओं और युवतियों के लिए ३०% सीटें आरक्षित रहेंगी।

लंबाई और छाती माप नियमानुसार होना आवश्यक है।

प्रशिक्षण तीन महीने का और आवासीय रहेगा।

प्रशिक्षण के दौरान चाय, नाश्ता, भोजन, शैक्षणिक सामग्री, गणवेश किट आदि सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की जाएंगी। विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा लिखित परीक्षा, मौखिक परीक्षा और ग्राउंड प्रशिक्षण की संपूर्ण तैयारी करवाई जाएगी।

इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए बीड़ जिले के अल्पसंख्यक समाज के युवक-युवतियों से अधिकाधिक संख्या में आवेदन करने की अपील

जिला नियोजन अधिकारी तथा अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मा. सुधाकर चींचाणे और आज़ाद हिंद संस्था के सचिव शेख मुसा ने की है।

मराठा आरक्षण आंदोलन: सांसद बजरंग सोनवणेने मनोज जरांगे पाटिल से की मुलाकात

आरक्षण की मांग को लेकर विस्तार से हुई चर्चा

बीड, २५ जून २०२५

मराठा समाज को आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर मराठा योद्धा मनोज जरांगे पाटिल ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगे १ अगस्त २०२५ तक पूरी नहीं की गईं, तो २९ अगस्त २०२५ को मुंबई में विशाल आंदोलन किया जाएगा। इसी संदर्भ में सांसद बजरंग सोनवणे ने २५ जून की शाम को अंतरवाली सराटी पहुंचकर मनोज जरांगे पाटिल से भेंट की और मराठा आरक्षण को लेकर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजेश टोपे और माजलगांव विधानसभा क्षेत्र के नेता मोहन जगताप भी मौजूद थे।

मनोज जरांगे पाटिल ने इस दौरान

एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने कई महत्वपूर्ण मांगों को तात्कालिक रूप से लागू करने की बात कही:

मराठा और कुणबी एक ही हैं इस संबंधी अध्यादेश तुरंत लागू किया जाए।

हैदराबाद, सातारा और बॉम्बे गॅझेटियर को लागू कर उसके अनुसार कार्रवाई की जाए।

सगे-सोयरे' अधिसूचना की तत्काल अमल में लाया जाए।

मराठा आंदोलन से संबंधित सभी लंबित केस वापस लिए जाएं।

आंदोलन में शहीद हुए परिवारों को नौकरी और आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। न्यायमूर्ति शिंदे समिति की अवधि बढ़ाई जाए। संतोष अण्णा देशमुख हत्याकांड और कोपर्डी प्रकरण के दोषियों को फांसी दी जाए।

जरांगे पाटिल ने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार ने १ अगस्त २०२५ तक इन मांगों पर निर्णय नहीं लिया, तो २९ अगस्त को मुंबई में बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान सांसद बजरंग सोनवणे ने आश्वस्त किया कि मराठा समाज की सभी न्यायसंगत मांगों को उचित स्तर तक पहुँचाने का वे हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण आंदोलन में वे पूरी तरह साथ हैं और समाज को आरक्षण दिलाने के लिए संघर्षरत मनोज जरांगे पाटिल के पीछे पूरा मराठा समाज पूरी ताकत से खड़ा है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बीड़ जिले के विकास कार्यों की समीक्षा

विकास कार्यों की प्रगति पर जताया संतोष, शेष कार्यों के लिए दिए आवश्यक निर्देश

बीड़, २६ जून (जिमाका)

राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं बीड़ जिले के संपर्क मंत्री अजित पवार ने जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की २५ जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने बीड़ में प्रस्तावित हवाई अड्डे के लिए जमीन आवंटन, परळी में पशु चिकित्सालय कॉलेज की स्थापना, परळी-अहमदनगर रेल मार्ग तथा अन्य विकास परियोजनाओं की समीक्षा की।

उपमुख्यमंत्री ने चल रहे कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और शेष कार्यों की शीघ्र पूर्ति के लिए प्रशासन को निर्देश दिए।

बैठक में वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, उपमुख्यमंत्री के सचिव राजेश देशमुख, बीड़ के जिलाधिकारी विवेक जॉनसन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने जिले में चल रहे प्रमुख कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

प्रस्तावित हवाई अड्डे के लिए ३०८.३२ हेक्टेयर जमीन

बीड़ जिले के मौजे कामखेड़ा, दगडीशहाजानपूर और आहेर चिंचोली गांवों में कुल ११७.०४ हेक्टेयर सरकारी और १९१.२८ हेक्टेयर निजी जमीन, यानी ३०८.३२ हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निर्देशानुसार, छत्रपति संभाजीनगर के विभागीय आयुक्त और बीड़ के जिलाधिकारी ने प्रस्तावित स्थान का निरीक्षण किया।

महाराष्ट्र विमानतळ विकास कंपनी की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्रीमती स्वाती पांडे ने इस जमीन की पूर्व-व्यवहार्यता जांच (Pre-feasibility Study) के लिए जिला प्रशासन से फॉर्म-१ में जानकारी मांगी है। इसके लिए रु. ४०.३२ लाख का निधि जिला प्रशासन को प्राप्त हुआ है।

परळी में पशु चिकित्सालय कॉलेज की स्थापना

महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नागपुर के अंतर्गत परळी में पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है। इसके लिए लोणी (तालुका परळी) में ८.८० हेक्टेयर और परळी में २० हेक्टेयर, कुल २८.८० हेक्टेयर जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा सरकार को प्रस्तुत किया गया है। इस जमीन का निरीक्षण विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कर लिया है और ग्राम पंचायत की नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी की रिपोर्ट भी शासन को भेजी गई है। जमीन के विश्वविद्यालय को हस्तांतरित होते ही कॉलेज का निर्माण शुरू होगा।

परळी-अहमदनगर-बीड रेलमार्ग परियोजना की प्रगति

अहमदनगर-बीड-परळी रेलमार्ग परियोजना के अंतर्गत १३ गांवों में भूमि अधिग्रहण की संयुक्त माप प्रक्रिया जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के पहले सप्ताह में पूरी की जाएगी। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने निर्देश दिया कि माप प्रक्रिया निर्धारित तारीखों पर पूरी की जाए और उसके बाद अंतिम कार्यवाही तेजी से की जाए।

रेलवे लाइन के कार्यान्वयन के लिए ट्रैक्शन सबस्टेशन, आष्टी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि इस रेललाइन के २३ में से १७ टॉवरों का कार्य महापारेषण विभाग द्वारा पूरा कर लिया गया है और बाकी ४ टॉवरों का कार्य १५ जुलाई तक पूरा किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सभी संबंधित विभागों को कार्यों में गति लाने और समयबद्ध रूप से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

६६ हजार करोड़ की बिजली खरीद बचत से दरों में भारी कटौती-लोकेश चंद्र

रिपोर्ट : जमीर काज़ी

मुंबई : महावितरण कंपनी ने पिछले ढाई वर्षों में राज्य की बिजली आपूर्ति के लिए किए गए नियोजन के चलते आगामी पांच वर्षों में बिजली खरीद पर ६६,००० करोड़ रुपये की बचत का दावा किया है। इस बचत का लाभ बिजली ग्राहकों को दरों में कटौती के रूप में मिलेगा। इतना ही नहीं, भविष्य में बिजली दरों में और गिरावट आने की संभावना है। यह जानकारी महावितरण के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी।

महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग ने बुधवार को महावितरण के बिजली दरों संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए लोकेश चंद्र ने बताया कि राज्य की भविष्य की बिजली जरूरतों को ध्यान में रखते हुए महावितरण ने वर्ष २०३४-३५ तक की बिजली योजना तैयार की है। अगले पांच वर्षों में ४५,००० मेगावाट बिजली क्षमता बढ़ाने के लिए बिजली खरीद समझौते किए गए हैं। इन करारों में मुख्य रूप से सौर, पवन, पंप स्टोरेज और बैटरी स्टोरेज जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्राथमिकता दी गई है।

इन स्रोतों से सस्ती बिजली उपलब्ध होगी, जिससे कंपनी को आगामी पांच वर्षों में ६६,००० करोड़ रुपये की बचत होगी। इसका लाभ घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को बिजली दरों में कटौती के रूप में दिया गया है। लोकेश चंद्र ने कहा कि इस दिशा में बीते ढाई वर्षों से योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बिजली खरीद में इस बचत में मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना २.० का अहम योगदान है। इस योजना के तहत १६,००० मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा प्रकल्पों से किसानों को दिन में कृषि पंपों के लिए औसतन ३ रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। महावितरण ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है, जिससे प्राप्त बिजली की दरें सौर ऊर्जा के मामले में अगले २५ वर्षों तक और पंप स्टोरेज के मामले में ४० वर्षों तक स्थिर रहेंगी। सस्ती और स्थिर दरों की बिजली के कारण भविष्य में, अगले पांच वर्षों के बाद भी बिजली दरों में और कमी संभव है।

स्मार्ट मीटर वाले घरेलू बिजली ग्राहकों को सुबह ९ बजे से शाम ५ बजे तक की बिजली खपत पर ८० पैसे प्रति यूनिट की अतिरिक्त छूट देने का आदेश आयोग ने दिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर ग्राहकों को सटीक बिजली बिल प्रदान करने और उनके उपयोग की नियमित जानकारी देने के लिए लगाए जा रहे हैं। जिन स्थानों पर स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, वहां बिजली बिल से संबंधित शिकायतें पूरी तरह खत्म हो गई हैं।

औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए महाराष्ट्र में बिजली दरें प्रतिस्पर्धात्मक हैं। हालांकि कुछ जगहों से यह शिकायत मिलती है कि राज्य की दरें अन्य राज्यों की तुलना में अधिक हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि विभिन्न छूटों को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र की बिजली दरें भी प्रतिस्पर्धात्मक हैं। इस अवसर पर महावितरण के संचालक (संचलन) सचिन तालेवार, संचालक (वाणिज्य) योगेश गडकरी, संचालक (वित्त) अनुदीप दिघे और संचालक (मानव संसाधन) राजेंद्र पवार भी उपस्थित थे।

राज्यपाल के हाथों ८३ पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पुलिस पदक प्रदान

रिपोर्ट : विशेष प्रतिनिधि, मुंबई

मुंबई :

राज्य के ८३ पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को राष्ट्रपति द्वारा घोषित पुलिस शौर्य पदक, उल्लेखनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और गुणवत्तापूर्ण सेवा के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। ये पदक महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन के हाथों राजभवन स्थित दरबार हॉल में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किए गए।

यह अलंकरण समारोह २०२१ और २०२२ के स्वतंत्रता दिवस पर घोषित पदकों के वितरण हेतु आयोजित किया गया था। इस अवसर पर कुल ४१ पुलिस अधिकारियों और जवानों को पुलिस शौर्य पदक, ३ अधिकारियों को उल्लेखनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, तथा ३९ अधिकारियों और कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए गए।

समारोह में गृह राज्यमंत्री (ग्रामीण) डॉ. पंकज भोयर, पुलिस महासंचालक रश्मी शुक्ला, महासमादेशक गृहरक्षक दल रितेश कुमार, महाराष्ट्र राज्य पुलिस गृहनिर्माण व कल्याण महामंडल की प्रमुख अर्चना त्यागी, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सेवानिवृत्त अधिकारी तथा सम्मानित अधिकारियों के परिजन उपस्थित थे।

मिट्टी में हाथ, दिल वतन के साथ; सीआईओ ने दस लाख वृक्षारोपण अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, २६ जून: चिल्ड्रन इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (सीआईओ) ने मिट्टी में हाथ, दिल वतन के साथ शीर्षक से एक पर्यावरण अभियान शुरू किया जिसका लक्ष्य २५ जून से २६ जुलाई २०२५ के बीच देश भर में दस लाख पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए बच्चों को प्रेरित करना है।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के दिल्ली स्थित मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को रमला, सैयद नाबिगअज़हान हुसैनी और मोहम्मद हुमैद ने संबोधित किया।

सीआईओ इस्लामी मूल्यों पर आधारित बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक राष्ट्रीय मंच है। मंच का जिसका मानना है कि प्रकृति की देखभाल बचपन से ही शुरू कर देनी चाहिए और बच्चों को सही मार्गदर्शन मिलने पर वे चीजों को बदल सकते हैं। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चों में प्रकृति की देखभाल, उसके प्रति जिम्मेदारी का एहसास और प्रेम की भावना पैदा करना है तथा वृक्षारोपण को राष्ट्रीय सेवा का एक आनंदमय और उद्देश्यपूर्ण कार्य बनाना है।

छात्र रमला ने विस्तार से बात करते हुए कहा : इस अभियान की पृष्ठभूमि बिलकुल स्पस्ट है: पृथ्वी गर्म हो रही है, पेड़ बहुत कम बचे हैं, और वायु की गुणवत्ता खराब हो रही है। वन लुप्त हो रहे हैं और इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन के खिलाफ हमारी सुरक्षा भी लुप्त हो रही है। सीआईओ का मानना है कि बच्चे इस प्रवृत्ति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जब बच्चे पेड़ लगाते हैं और उनका पालन-पोषण करते हैं, तो वे न केवल ग्रह की मदद कर रहे होते हैं - बल्कि वे अपना भविष्य भी सुरक्षित कर रहे होते हैं और जिम्मेदारी तथा करुणा के आजीवन मूल्यों को सीख रहे होते हैं।

अभियान किस प्रकार आगे बढ़ेगा, इस बारे में बात करते हुए सैयद नाबिग अज़हान हुसैनी ने कहा, इस पहल के तहत, बच्चे स्कूलों, मदरसों, मस्जिदों, पड़ोस के पार्कों और यहां तक कि अपने घरों के सामने भी पौधे लगाएंगे। प्रत्येक बच्चे को अपने पौधे का नाम रखने, एक मित्र की तरह उसकी देखभाल करने तथा चित्र, शिल्प, कविता आदि के माध्यम से अपने अनुभव को दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अभियान को सार्थक, शैक्षणिक और मनोरंजक बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां - हरित शपथ समारोह, प्रकृति की रक्षा पर शुक्रवार के धर्मोपदेश , प्रकृति भ्रमण, तथा कला, कविता और कहानी सुनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बच्चों को अपने हरित प्रयासों के बारे में लघु वीडियो और रील बनाने के लिए भी आमंत्रित किया जाएगा, ताकि सोशल मीडिया पर संदेश फैलाया जा सके।

सरकार के साथ सहयोग और पर्यावरण अभियान में इस्तेमाल किए जाने वाले नारों पर चर्चा करते हुए मोहम्मद हुमैद ने कहा, इस अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए, सीआईओ सरकारी विभागों के साथ मिलकर स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराने, उपयुक्त रोपण स्थानों की पहचान करने, पौधों और जानवरों के बारे में शैक्षिक संसाधन प्रदान करने और हरित क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। ये साझेदारियाँ सुनिश्चित करेंगी कि बच्चों को सही सहायता मिले और लगाए गए पेड़ जीवित रहें और फलते-फूलते रहें। प्रतिभागियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए सीआईओ नारे की एक श्रृंखला भी शुरू कर रहा है जो कक्षाओं, घरों और सार्वजनिक स्थानों में गूंजेगी:

हर बच्चा जब एक पेड़ लगाए, एक हरि-भरी दुनिया खिल उठे!

जब एक पत्ता मुस्कुराएगा - हर दिन हरियाली लाएगा!

सीआईओ सभी छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों, स्कूल प्रशासकों और धार्मिक नेताओं से सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करता है। उस पीढ़ी का हिस्सा बनें जो देखभाल को व्यावहारिक रूप में बदल देती है। एक ट्री-हीरो' बनें। एक हरित-चैंपियन बनें। हम मीडिया संगठनों, शिक्षकों, नागरिक समाज और पर्यावरण समूहों से इस अभियान को साझा करने और समर्थन देने का आग्रह करते हैं। इसके प्रभाव की कल्पना करें: यदि दस लाख बच्चे एक-एक पौधे लगाएं और उसकी देखभाल करें, तो हमारे पास दस लाख नए पौधे होंगे, जिससे हमारा देश पौधों से भर जाएगा और हमारा भविष्य सुरक्षित हो जाएगा।

'जग के अन्नदाता के बाप को बताने वाले बबनराव लोणीकर मानसिक विकृति के शिखर पर हैं, उन्हें प्रायश्चित करना चाहिए'

विरोधी दल और किसान संगठन हमलावर

रिपोर्ट: रामिज़ क़ाज़ी । मुंबई

भाजपा के परतूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक और पूर्व मंत्री बबनराव लोणीकर द्वारा किसानों को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान के खिलाफ राज्यभर में तीव्र रोष व्यक्त किया जा रहा है।

लोणीकर ने एक सभा में कहा कि किसानों और उनके बाप को मोदी जी के कारण कपड़े और जूते नसीब होते हैं। उनके इस बयान पर विपक्षी दलों और किसान संगठनों ने कड़ा ऐतराज़ जताया है और उन्हें चेतावनी दी है कि यदि वे प्रायश्चित नहीं करते, तो उन्हें जनता सबक सिखाएगी।

किसान संगठनों और विपक्ष का तीखा प्रहार

विपक्षी दलों का कहना है कि जग के अन्नदाता को गाली देना मानसिक विकृति का चरम है और यह बात अब सहनशक्ति के बाहर जा चुकी है।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

पोशिंदे (अन्नदाता) के बाप बनने वाले लोणीकर कौन हैं? भाजपा की विचारधारा बार-बार उजागर हो रही है। ये लोग 'एक भाषा, एक धर्म, एक नेता' के नाम पर घृणित राजनीति कर रहे हैं। सरकार किसानों को जो देती है, वह कोई उपकार नहीं है बल्कि यह जनता के पैसे से ही योजनाएं चलाई जाती हैं। मोदी सबकुछ दे रहे हैं, यह लोणीकर जैसे नेताओं का भ्रम है। किसान को अपमानित करना निंदनीय है।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा,

लोणीकर का बयान ब्रिटिश सोच का देसी संस्करण है। लोकतंत्र में इस तरह की भाषा नहीं चलेगी। विधायक बनने के लिए जो कपड़े, जूते, गाड़ी का डीज़ल, हवाई टिकट और नेतागिरी मिलती है, वो सब जनता की बदौलत है। किसान उनके इस बयान को भूलेगा नहीं और आने वाले चुनाव में जवाब देगा।

सुप्रिया सुले (शरद पवार गुट), सांसद संजय राऊत, किसान नेता राजू शेट्टी और रवी तुपकर ने भी लोणीकर के बयान की तीव्र निंदा की है।

मुख्यमंत्री फडणवीस का हस्तक्षेप

बयान पर राज्यभर में तीखा विरोध शुरू होने के बाद बबनराव लोणीकर ने सफाई देते हुए कहा कि वह किसानों से सौ बार माफी मांगने को तैयार हैं। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

लोणीकर का बयान अनुचित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं को 'प्रधान सेवक' कहते हैं, ऐसे में किसी के लिए भी ऐसी भाषा का प्रयोग करना गलत है। उन्हें इस विषय में उचित समझाइश दी जाएगी।

ससुराल से विवाद के बाद युवक की संदिग्ध सड़क दुर्घटना में मौत

केज, २६ जून (प्रतिनिधि)

चिंचोलीमाळी (ता. केज) के रहने वाले ३० वर्षीय युवक की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह हादसा बुधवार (२५ जून) की शाम को उस समय हुआ जब युवक ससुराल में विवाद के बाद केज की ओर जा रहा था। इस हादसे को लेकर परिजनों ने संदेह जताया है कि यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि साजिश भी हो सकती है।

मृत युवक का नाम संपत शिवाजी राऊत (३०), निवासी चिंचोलीमाळी बताया गया है। बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे जब वह अपनी दोपहिया वाहन से केज की ओर जा रहा था, तब टाकळी शिवार के पास एक मोड़ पर उसकी बाइक सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना गंभीर था कि संपत राऊत की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को केज उपजिला अस्पताल में भेजा गया। हालांकि, इस हादसे के पीछे की पृष्ठभूमि को देखते हुए मृतक के परिजनों ने आशंका जताई है कि यह सिर्फ दुर्घटना नहीं, बल्कि घातपात (साज़िश) हो सकता है।

बताया गया है कि संपत राऊत ने दो साल पहले अपने गांव की ही एक अन्य जाति की युवती से अंतरजातीय विवाह किया था, जिसके चलते उसके ससुराल वालों से संबंध तनावपूर्ण बने हुए थे। बुधवार दोपहर उसका ससुराल वालों से झगड़ा हुआ था। इसके बाद ससुराल पक्ष ने उसके खिलाफ केज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी की थी। यह जानकारी मिलते ही संपत बाइक से केज की ओर निकल पड़ा। लेकिन रास्ते में ही उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन परिजनों की ओर से उठाई जा रही शंकाओं ने इस हादसे को एक नई दिशा दे दी है।

इस्लामी नववर्ष का हरित स्वागत!

अहले सुन्नतुल जमाअत ने वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण प्रेम का संदेश

जलगांव (अकिल खान ब्यावली)

जब नया साल शुरू होता है तो अधिकतर लोग इसे धूमधाम से मनाते हैं, लेकिन इस बार जलगांव में एक मिसाल कायम की गई.अहले सुन्नत वल जमाअत और गुलामाने शोहदा-ए-कर्बला द्वारा इस्लामी नववर्ष का स्वागत वृक्षारोपण के पुण्य कार्य से किया गया.

दिनांक २६ जून को, इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मोहर्रम की शुरुआत के अवसर पर सुन्नी ईदगाह मैदान, नियाज़ अली नगर में वृक्षारोपण अभियान (शजरकारी मुहिम) आयोजित की गई.इस पावन मुहिम का उद्घाटन जिलाधिकारी आयुष प्रसाद के शुभ हस्तों द्वारा किया गया.इस अवसर पर सुन्नी ईदगाह ट्रस्ट व सुन्नी जामा मस्जिद के अध्यक्ष सैयद अयाज़ अली नियाज़ अली ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा,पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद (स.अ.) ने वृक्षारोपण और पर्यावरण की हिफाज़त को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है. इस्लाम धर्म में बिना कारण पेड़ों की कटाई को अपराध माना गया है, जबकि वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना नेक कार्य समझा जाता है।मुहिम के तहत १०० देशी कड़वे नीम के पौधे लगाए गए, जिससे न केवल हरियाली फैलेगी बल्कि आने वाली नस्लों को ताज़ा हवा और स्वास्थ्य भी मिलेगा.इस अवसर पर जिलाधिकारी आयुष प्रसाद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख थे: सैय्यद इकबाल वज़ीर, शेख जमील, नाज़ीम पेंटर, हाजी रशीद कुरेशी, शफी ठेकेदार, अजमल शाह, वाहिद खान, अब्दुल कादिर रानानी, हाजी सलीमुद्दीन, रऊफ़ खान, आसिफ अनवर, छोटू पटेल, हाजी अशरफ़, अफज़ल मनीयार, शेख परवेझ, नूर खान, कामिल खान,अयान अलीम,वसीम खान आदि.इस अभियान ने न केवल नववर्ष की पावन शुरुआत को यादगार बनाया, बल्कि यह भी बताया कि धर्म और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। समाज को चाहिए कि मिलकर प्रकृति की रक्षा में योगदान दें.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com